दैनिक जागरण

बरेली, रविवार
13 अप्रैल, 2025
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 18+4+4=26

PAGE NO : IV BOTTOM

शरीर को बीमारियों से दूर रखती स्वस्थ जीवनशैली

जागरण संवाददाता, बरेली: वूमन फिजिशियंस आफ इंडिया की पहली कांफ्रेंस एसआरएमएस मेडिकल कालेज में शनिवार को हुई। इसमें चिकित्सकों ने महिलाओं की बीमारियों, उनके बेहतर इलाज और शोध कार्यों पर व्याख्यान दिया। अत्याधुनिक उपकरणों के बारे में जानकारी दी। कहा कि मेटाबलिक डिसआर्डर से पीड़ित में दिल का दौरा, स्ट्रोक और कार्डियक फेल्योर होने की आशंका अधिक होती है।

महिलाओं में मेटाबोलिक डिसआर्डर विषय पर पैनल विमर्श से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इसमें शामिल डा. प्रेरणा कपूर (लखनऊ), मंजू पांडेय (मथुरा), डा. मनीषा गुप्ता (मोहाली), डा. हिना सिंह (मेरठ) और डा. गुंजन मित्तल (नोएडा) ने सवालों के जवाब दिए। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने कहा कि डिसआर्डर ऐसी स्थिति है, जिसमें मोटापा, डिस्लिपिडेमिया, उच्च रक्तचाप और डायबिटीज शामिल होते हैं। यह पुरुष और महिलाओं में सामान्य है, लेकिन इससे पोस्टमेनोपाजल महिलाएं अधिक प्रभावित होती हैं।

एसआरएमएस में आयोजित कार्यशाला में जानकारी देते चिकित्सक • सौ. संस्थान

टूडी-इकोकार्डियोग्राफी करता है त्वरित मूल्यांकन: बीआरडी मेडिकल कालेज गोरखपुर की डा. माधवी सरकारी ने वर्कशाप में आईसीयू में टूडी-इकोकार्डियोग्राफी के उपयोग की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 2D-इको जरूरी बेड साइड उपकरण है, जो गंभीर रूप से बीमार मरीजों में हृदय का त्वरित मूल्यांकन करने में मदद करता है। इस दौरान डा. निर्मल यादव, डा. पद्मश्री गुलाटी, डा. आभा गुप्ता, डा.जेबा सिद्दीकी, डा. सीमा सेठ, डा. अस्मिता देशमुख, डा. अर्चना पाटे, डा. एस लक्ष्मी बल आदि उपस्थित रहीं।

रोकथाम है जरूरी

गर्भवती महिलाएं यदि मेटाबालिक डिसआर्डर से प्रभावित हों तो यह बड़े आकार के शिशु, समय से पहले प्रसव और प्रीएक्लेम्पसिया जैसी जटिलताओं का कारण बन सकता है। इसके लिए वजन कम करना, रक्तचाप और रक्त शर्करा को नियंत्रित रखना व लिपिड प्रोफाइल को सामान्य बनाना महत्वपूर्ण है। भोजन में कार्बोहाइड्रेट कम और प्रोटीन अधिक वाला संतुलित आहार शामिल करना जरूरी है। जम्मू से आई डा. अनुपमा ने बच्चे के जन्म के बाद महिलाओं के दिमाग में खून का थक्का जमने की दिक्कत पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस स्थिति को पेरीपार्टम सीवीटी कहा जाता है। एमआरआई के साथ एमआर वेनोग्राफी इसकी पुष्टि के लिए अनिवार्य है। लो मालिक्यूलर वेट हेपरिन से एंटीकोआगुलेशन पेरीपार्टम सीवीटी के उपचार का मुख्य आधार है।